तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, मंगलवार 6 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

12 बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया कोण्डागांव...



13 खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम



खबर संक्षेप



बस्तर में बाढ़ की भयावह तबाही, 602 मकान क्षतिग्रस्त कई परिवार हुए बेघर

घाटलोहंगा। बस्तर तहसील क्षेत्र में अचानक आई भयावह बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाढ़ के चलते सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और कई परिवारों के सामने आशियाना छिन जाने का संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। कलेक्टर आकाश छिकारा की सहमति से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुए मकानों के नुकसान का सर्वेक्षण एवं राहत राशि जारी करने की कार्रवाई की जा रही है। बस्तर तहसील कार्यालय में तहसीलदार जोली जेम्स के नेतृत्व में अब तक हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार की गई है। तहसील कार्यालय से प्राप्त अब तक की रिपोर्ट के अनुसार बस्तर तहसील क्षेत्र में कुल 602 मकान क्षतिग्रस्त पाए गए हैं। इनमें 261 मकान आंशिक रूप से तथा 341 मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा राशि जारी की जा रही है। अब तक 1 करोड़ 29 लाख 47 हजार 500 रुपये की राहत राशि जारी की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा लगातार सर्वेक्षण कर क्षति का आकलन किया जा रहा है, ताकि पात्र प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जा सके। बाढ़ के बाद कई परिवारों के मकान पूरी तरह तबाह होने से उनके सामने रहने और पुनर्वास की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। प्रभावित परिवारों ने शासन-प्रशासन से शीघ्र राहत, आवास एवं पुनर्वास की उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

दशहरा की तैयारियों को लेकर सिरहा-गुनिया पुजारी समिति की बैठक



जगदलपुर। बस्तर दशहरा पर्व की तैयारियों को लेकर रविवार को मावली मंदिर प्रांगण में सिरहा-गुनिया पुजारी समिति की बैठक कुमार जयदेव के नेतृत्व में हुई। बैठक में संभागभर से आने वाले पुजारियों की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। जयदेव ने उनके भोजन और आवास की व्यवस्था करने की घोषणा की। संभाग के करीब 300 समिति सदस्य इस दौरान व्यवस्था संभालेंगे। जयदेव ने प्रशासन से कानून, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पुख्ता करने की अपील की, क्योंकि इस वर्ष राष्ट्रपति का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी ने बताया कि अंतिम शासक प्रवीर चंद भंजदेव के बाद से दशहरा पर्व का संचालन ▶▶ शेष पेज 12 पर

संस्थागत और प्रक्रियागत बदलावों से देश के विकास को मिली नई गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोमवार को एक निजी होटल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक के कार्यकाल में किए गए संस्थागत और प्रक्रियागत सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विकास केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी मजबूत व्यवस्थाएं और प्रक्रियाएं विकसित करना भी जरूरी है, जो लंबे समय तक प्रभावी ढंग से संचालित होती रहें।

शर्मा ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। उनके कार्यकाल में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने, सरकारी व्यवस्था में सक्रियता बढ़ाने और जनसरोकार से जुड़े कार्यों को गति देने पर जोर दिया गया। उन्होंने गुजरात की सहकारी संस्थाओं और डेयरी क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से बड़े स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला और इसका लाभ किसानों व पशुपालकों तक पहुंचा। उन्होंने गुजरात के विद्या समीक्षा केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक के माध्यम से स्कूलों की निगरानी और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का आकलन करने की व्यवस्था विकसित की गई। केवल भवन और संसाधन तैयार करना पर्याप्त ▶▶ शेष पेज 12 पर

बस्तर संभाग में 3600 दिव्यांगों का पंजीयन



रावघाट रेललाइन का काम चल रहा

रावघाट रेललाइन के निर्माण को लेकर पूछे गए सवाल पर शर्मा ने कहा कि लोग कहते हैं कि देश अभी-अभी आजाद हुआ है समस्याओं का समाधान धीरे-धीरे होगा। रावघाट रेललाइन का काम चल रहा है और इसे पूरा होने में अभी थोड़ा समय लगेगा। पोलावरम बांध परियोजना से प्रभावित आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोगों को मुआवजा दिए जाने के बावजूद छत्तीसगढ़ के प्रभावितों को अब तक मुआवजा नहीं मिलने के सवाल पर शर्मा ने कहा कि वे इस मामले से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे।

सेवा संकल्प अभियान से दिव्यांगों को राहत

बस्तर संभाग में चल रहे दिव्यांगजन पंजीयन अभियान की जानकारी देते हुए शर्मा ने बताया कि 5 से 7 अक्टूबर तक ग्राम सभाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों की पहचान और पंजीयन किया जा रहा है। अब तक करीब 3600 दिव्यांगजनों का पंजीयन हो चुका है। अभियान में भगवान महावीर दिव्यांगता सेवा समिति का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 और 17 अक्टूबर को दंतेवाड़ा में बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों के दिव्यांगजनों को जोड़कर सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के नेतृत्व में हुई किसान पंचायत, पेयजल, सड़क और बिजली संकट पर नाराजगी

बुनियादी सुविधाओं से वंचित बुड़गी भाटा के ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

दरभा ब्लॉक के सीतापुर पंचायत के आश्रित ग्राम बुड़गी भाटा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला बस्तर के नेतृत्व में आयोजित किसान पंचायत में ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। सीतापुर से महज 4-5 किलोमीटर की दूरी पर बसे इस गांव में आज भी विकास की बुनियादी सुविधाएं गायब हैं। करीब 300 से 500 की आबादी वाला यह गांव पेयजल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वर्षों से शासन-प्रशासन के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामने समस्याएं रखने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। क्षतिग्रस्त सड़कें, पेयजल की परेशानी, स्वास्थ्य सुविधा का अभाव और विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान हैं। बस्तर जिला अध्यक्ष रमेश गोयल ने कहा कि बुड़गी भाटा को विकास से वंचित रखना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार के विकास के दावे इस गांव की स्थिति को देखकर खोखले साबित हो रहे हैं। किसान पंचायत में संभागीय अध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, ग्रामीण जिला अध्यक्ष जगदू राम कश्यप, तोकापाल ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बघेल, दरभा ब्लॉक अध्यक्ष महादेव कश्यप, मानकु राम कश्यप सहित अन्य किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।



तहसील कार्यालय के सामने होगा प्रदर्शन

गोयल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही पेयजल, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं प्रधानमंत्री आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो भारतीय किसान यूनियन ग्रामीणों को साथ लेकर तहसील कार्यालय के सामने चरणबद्ध आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करेगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जमीन आवंटन में गड़बड़ी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, फूंका पुतला

बस्तर/घाटलोहंगा। मंत्री केदार कश्यप की पत्नी को कथित रूप से जमीन देने के मामले में सामने आई गंभीर गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इसी के चलते मानपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं युवा कांग्रेस द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष निलय नानू कश्यप ने कहा कि सत्ता के बल पर किए जा रहे अवैध कारनामों को सहन नहीं किया जाएगा। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान पूर्व विधायक चंदन कश्यप, धनुर्जय नेताम, श्याम दीवान, निलय कश्यप, धर्मा पाढ़ी, जीवन सेठिया, यशवंत मौर्य, महेंद्र पांडेय, सत्यकांत कश्यप, कृष्णा कश्यप, डमरू कश्यप, राजेंद्र साहू, जगबंदु सिन्हा, डमरू मौर्य, दया बघेल, पूनऊ कश्यप, भुवनेश्वर कश्यप सहित अन्य उपस्थित थे। पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कहा कि प्रदेश में सत्ता का दुरुपयोग कर चहेतों को अनुचित लाभ पहुंचाया जा रहा है, जिसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। मानपुरी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनुर्जय नेताम ने कहा कि मंत्री पद का धौंस दिखाकर नियमों को ताक पर रखकर जमीनें हासिल करना शर्मनाक है।



निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को निर्वाचन आयोग की कथित निष्पक्षता और एसआईआर प्रक्रिया में हुई प्रशासनिक लापरवाही के विरोध में प्रदर्शन किया गया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य और ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कार्यकाल में निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। मतदाता सूचियों में अनियमितताओं, पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने तथा एसआईआर के दौरान सामने आई शिकायतों पर ▶▶ शेष पेज 12 पर

- कलेक्ट्रेट मार्च निकाल राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन



शत-प्रतिशत वीवीपैट पर्ची मिलान की मांग

नेताओं ने ईवीएम और वीवीपैट की शत-प्रतिशत पर्चियों के मिलान की मांग भी दोहराई। साथ ही चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत और अंतिम आंकड़े जारी करने में कथित देरी को लेकर भी निर्वाचन आयोग से जवाबदेही तय करने की मांग की। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे, मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम-2023 को निरस्त करने, चयन प्रक्रिया में भारत के मुख्य न्यायाधीश को पुनः शामिल करने तथा एसआईआर में हुई कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराने की मांग की है।

शांतिपूर्ण आंदोलन की चेतावनी

पार्टी ने आगामी चुनावों में ईवीएम के साथ वीवीपैट पर्चियों का 100 प्रतिशत मिलान अनिवार्य करने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन को आगे बढ़ाएगी।

बस्तर की बेटी पंक्ति ने जीता मिस टीन इंडिपेंडेंट इंटरनेशनल इंडिया 2027 का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल बस्तर की होनहार बेटी पंक्ति बेदरकर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। भारत की प्रतिष्ठित संस्था प्राइड ऑफ इंडिया डीके पेजेंट द्वारा पंक्ति को मिस टीन इंडिपेंडेंट इंटरनेशनल इंडिया 2027 के खिताब से नवाजा गया है। इस उपलब्धि के साथ ही पंक्ति अब अप्रैल 2027 में इंडोनेशिया में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए प्रतिभागियों के चयन की प्रक्रिया बेहद चुनौतीपूर्ण रही। आयोजकों के अनुसार पंक्ति ने खूबसूरती के साथ-साथ गुप्त इंटरव्यू, शानदार रैंप वॉक, आत्मविश्वास, दयालुता और ▶▶ शेष पेज 12 पर

- अप्रैल 2027 में इंडोनेशिया में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व



इंडोनेशिया में भारत का झंडा बुलंद करना लक्ष्य

अपनी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए पंक्ति ने कहा कि यह उनके और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए बेहद भावुक और गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि बस्तर की मिट्टी ने मुझे हमेशा मजबूत रहना सिखाया है। प्राइड ऑफ इंडिया डीके पेजेंट ने मुझे अपनी क्षमताओं को साबित करने का बेहतरीन मंच दिया। अब मेरा लक्ष्य अप्रैल 2027 में इंडोनेशिया के मंच पर भारत का झंडा बुलंद करना है। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश सिर्फ खिताब जीतने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहती हैं। पंक्ति ने अपनी सफलता का श्रेय बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों के प्यार, आशीर्वाद और परिवार के विश्वास को दिया।

बस्तर के टॉपर बच्चों के शिक्षक बने कलेक्टर व एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

उत्कृष्ट बस्तर अभियान के तहत सपनों को नई उड़ान देने की पहल करते हुए जिले के 30 टॉपर विद्यार्थियों को एक ओर जहां शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। वहीं इन टॉपरों के कलेक्टर व एसपी शिक्षक बनकर उनसे सार्थक सवांद कर उनके सवालों के जवाब दिए। इस दौरान जिले के टॉपर बच्चों की आंखों में नए बस्तर का सपना दिखा, जब बस्तर के टॉपर बच्चों के सामने अधिकारी शिक्षक बने और आस्था हॉल में दो घंटे चली जीवन की कक्षा। उत्कृष्ट बस्तर अभियान के तहत तिमाही परीक्षा में कक्षा 10वीं और 12वीं में अव्वल रहे जिले के 30 टॉपर विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के बाद कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी शलभ सिन्हा व सहायक कलेक्टर यशवंत नायक से अपने अनुभव साझा किए। बस्तर की बदलती तस्वीर अब जंगलों और जलप्रपातों के साथ-साथ यहां के होनहार बच्चों की आंखों में भी दिखाई दे रही है। तिमाही परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने की पहल उत्कृष्ट बस्तर अभियान के तहत की गई। कलेक्टर आकाश छिकारा ▶▶ शेष पेज 12 पर

- 10वीं और 12वीं के बस्तर जिले के 30 टॉपर विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण



चित्रकोट से एयरपोर्ट तक, टॉपर बच्चों ने देखा अपना बस्तर

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकोट जलप्रपात, ज्ञानगुड़ी, जगदलपुर एयरपोर्ट, राजमहल, पुरातत्व संग्रहालय और लाइब्रेरी का भ्रमण किया। चित्रकोट में बच्चों ने बस्तर की प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की संभावनाओं को करीब से देखा। राजमहल और पुरातत्व संग्रहालय ने उन्हें बस्तर के इतिहास और विरासत से परिचित कराया। ज्ञानगुड़ी और लाइब्रेरी ने शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की संभावनाओं से परिचित कराया जबकि एयरपोर्ट ने उन्हें विकास की नई तस्वीर दिखाई। यह उनके लिए केवल एक भ्रमण नहीं था बल्कि अपने ही बस्तर को एक नई नजर से देखने और भविष्य के लिए बड़े सपने संजोने का अवसर था।

बच्चों ने अधिकारियों से किया सवांद

शैक्षणिक भ्रमण के बाद आस्था हॉल में विद्यार्थियों का कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी शलभ सिन्हा और सहायक कलेक्टर यशवंत नायक से आत्मीय संवाद हुआ। करीब दो घंटे तक चले इस संवाद में बच्चों ने अधिकारियों से अपने मन के सवाल पूछे। अधिकारियों ने उनके सवालों के जवाब दिए और अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। इस दौरान पढ़ाई, करियर, अनुशासन, लक्ष्य, मेहनत, आत्मविश्वास और जीवन में आने वाली चुनौतियों तक कई विषयों पर खुलकर बातचीत हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और अच्छे संस्कारों के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक भ्रमण को व्यवस्थित और सफल बनाने में एपीसी राकेश खापर्डे, स्मिता खापर्डे, श्रीमती होलेंद्री भंडारी एवं कोटेश्वर राव नायडू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित होते ही नई दरें लागू

परिवहन सेवाएं में ड्राइविंग लाइसेंस से परमिट तक बढ़ी फीस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के परिवहन विभाग ने राज्य में परिवहन नियमों में संशोधन करते हुए विभिन्न सेवाओं की फीस में बढ़ोतरी कर दी है। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के बाद अब ड्राइविंग लाइसेंस, कंडक्टर लाइसेंस, मेडिकल प्रमाण-पत्र और व्यावसायिक वाहनों के परमिट बनवाने अथवा नवीनीकरण कराने के लिए वाहन मालिकों और चालकों को पहले की तुलना में अधिक राशि चुकानी होगी। राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से ही संशोधित दरें प्रभावी हो गई हैं। नई दरों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी व्यावसायिक वाहनों के परमिट शुल्क में की गई है। बस का परमिट बनवाने या उसका नवीनीकरण कराने का शुल्क 2,500 रुपए से बढ़ाकर सीधे 10 हजार रुपए कर दिया गया है। इसी तरह टैक्सी और ठेका गाड़ियों के परमिट के लिए अब 1,500 रुपए के स्थान पर 6 हजार रुपए देने होंगे। संशोधित दरों के अनुसार स्मार्ट कार्ड वाले ड्राइविंग लाइसेंस की डुप्लीकेट प्रति बनवाने के लिए अब 150 रुपए के बजाय 250 रुपए देने होंगे। डुप्लीकेट लर्नर लाइसेंस की फीस भी 50 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए कर दी गई है। वाहन चालकों के लिए जारी होने वाले मेडिकल प्रमाण-पत्र का शुल्क 30 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए कर दिया गया है। कंडक्टर लाइसेंस के नवीनीकरण का शुल्क भी दोगुना कर 100 से 200 रुपए कर दिया गया है। वहीं डुप्लीकेट बैज के लिए अब 100 रुपए के स्थान पर 150 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है।

- बस परमिट का शुल्क चार गुना बढ़कर 10 हजार रुपए



मालवाहक व नेशनल परमिट भी महंगे

आरटीओ ने बताया कि मालवाहक वाहनों के परमिट शुल्क में भी बड़ी वृद्धि की गई है। गुड्स गाड़ियों का परमिट शुल्क 1,500 रुपए से बढ़ाकर 5 हजार कर दिया गया है। वहीं ट्रक और अन्य मालवाहकों के नेशनल परमिट के लिए अब 2 हजार रुपए की जगह 6 हजार रुपए शुल्क देना होगा। व्यावसायिक कार्यों में उपयोग होने वाले ट्रैक्टरों का परमिट शुल्क भी 1 हजार रुपए से बढ़ाकर 3 हजार रुपए कर दिया गया है। परिवहन विभाग के इस संशोधन का सीधा असर व्यावसायिक वाहन संचालकों, टैक्सी-ऑपरेटरों, बस संचालकों, मालवाहक वाहन मालिकों और वाहन चालकों पर पड़ेगा।



खबर संक्षेप



कृषि महाविद्यालय में रेबीज जागरूकता कार्यक्रम

नारायणपुर। लिंगो मुड़ियाल कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च स्टेशन, नारायणपुर में रेबीज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को रेबीज रोग, इसके संक्रमण, बचाव तथा समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय की डीन डॉ. रत्ना नशिने सहित डॉ. हुमेंद्र शिवाना, मिस उमा साहू, डॉ. पुष्पराज दीवान, डॉ. नरेंद्र कुमार नाग एवं दीपेश रावत उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रेबीज के कारण, संक्रमण के माध्यम, पशु के काटने पर अपनाई जाने वाली सावधानियों तथा टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विशेष रूप से विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी संक्रमित पशु के काटने या खरोंच लगने की स्थिति में घाव को तुरंत साबुन एवं बहते पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए और बिना देरी किए चिकित्सकीय सलाह लेकर आवश्यक एंटी-रेबीज टीकाकरण करवाना चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में रेबीज की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई। कार्यक्रम का आयोजन ज्ञानवर्धक एवं जागरूकतापूर्ण रहा।

तीन दिन से लापता महिला का डबरी में मिला शव

फरसगांव। थाना क्षेत्र के आंवराभाटा कोटेलभट्टी गांव में तीन दिन से लापता महिला भोजबती मरकाम का शव सोमवार सुबह खेत की डबरी में मिला। सूचना पर फरसगांव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मर्ग रिपोर्ट के अनुसार मृतका भोजबती मरकाम 39 वर्ष, पति मनसाराम मरकाम निवासी कोटेलभट्टी है। बताया गया कि महिला 3 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे घर से खेत की डबरी की ओर गई थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। परिजनों और रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। 5 अक्टूबर की सुबह करीब 6.30 बजे डबरी की ओर गए ग्रामीणों ने पानी में महिला का शव देखा, जिसकी पहचान भोजबती मरकाम के रूप में की गई। प्रारंभिक जानकारी में मौत का कारण पानी में डूबना बताया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

माकड़ी में पिछड़ा वर्ग समाज का ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम



कोण्डागांव। पिछड़ा वर्ग समाज का पारंपरिक ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम इस वर्ष भी माकड़ी के मंडी प्रांगण में उत्साह साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के साथ दूर-दराज इलाकों से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। जोहारनी कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर नवाखाई पर्व मनाया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ समाजजनों ने पर्व की खुशियां साझा कीं और आपसी मेल-जोल एवं भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद बस्तर दिनेश कश्यप एवं पूर्व मंत्री मोहन मरकाम प्रमुख रूप से शामिल हुए। इनके अलावा पिछड़ा वर्ग समाज के जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी सौहार्द, सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देना रहा। समाजजनों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और आपसी संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि पारंपरिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को समाज की संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस से जिले के 121 गांवों को मिल रही नियमित परिवहन सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

9 बसों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में मिली सहूलियत

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को सुगम एवं नियमित परिवहन सुविधा से जोड़ने के उद्देश्य से 9 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों के माध्यम से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के 121 गांवों को परिवहन सुविधा का लाभ मिल रहा है। बस सेवाओं के संचालन से ग्रामीणों को बाजार, शासकीय कार्यालय, स्वास्थ्य संस्थानों, शिक्षण संस्थानों सहित अन्य आवश्यक सेवाओं तक आवागमन में सुविधा मिल रही है। इरागांव निवासी धनसू राम सेठिया ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत शुरू हुई बस सेवा पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहले गांव में नियमित बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, जिससे आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। अब बस सेवा शुरू होने से आवागमन आसान हो गया है और बाजार सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में सुविधा मिल रही है। केशकाल विधानसभा के इरागांव निवासी दीपा नेगी ने बताया कि पहले गांव से केशकाल आने-जाने में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नियमित परिवहन सुविधा नहीं होने के कारण आने-जाने में समय और परेशानी दोनों होती थी। अब मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत बस गांव तक पहुंच रही है, जिससे केशकाल आने-जाने में काफी आसानी हुई है। उन्होंने कहा कि गांव तक बस सेवा पहुंचने से रोजमर्रा के जरूरी कामों के लिए आवागमन सुविधाजनक हो गया है।

आवागमन आसान हुआ

केशकाल निवासी सविता मरापी भी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा को अपने लिए उपयोगी बता रही हैं। सविता मरापी बिहान से जुड़कर पशु सखी के रूप में कार्य करती हैं, जिसके कारण उन्हें नियमित रूप से केशकाल सहित आसपास के क्षेत्रों में आना-जाना पड़ता है। गांव से कॉलेज जाने वाली छात्राओं को भी बस सेवा का सीधा लाभ मिल रहा है। नियमित बस सुविधा उपलब्ध होने से छात्राओं के लिए गांव से केशकाल कॉलेज तक आवागमन आसान हुआ है।



ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में बस सेवा को लेकर खुशी

बस संचालक धर्मेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत संचालित बसों से आम जनता को काफी लाभ मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में बस सेवा को लेकर खुशी है, क्योंकि अब बस उनके गांव तक पहुंच रही है और उन्हें नियमित आवागमन की सुविधा मिल रही है। योजना के अंतर्गत संचालित बसों के मार्ग एवं लाभान्वित गांवों में कोण्डागांव से मर्दापाल मार्ग पर 22 गांव, बहीगांव से विश्रामपुरी मार्ग पर 12 गांव, कोण्डागांव से कमेला मार्ग पर 06 गांव, छतोडी से कोण्डागांव मार्ग पर 17 गांव लाभान्वित हो रहे हैं। इसी प्रकार कोनगुड़ से फरसगांव मार्ग पर 11 गांव, भैंसाबेड़ा से केशकाल मार्ग पर 18 गांव, कनकपुर से कोण्डागांव मार्ग पर 10 गांव, छतोडी से जगदलपुर मार्ग पर 17 गांव और माकड़ी से फरसगांव मार्ग पर 08 गांव के ग्रामीणों को नियमित आवागमन की सुविधा मिल रही है।

अधिकारी-कर्मचारियों और विभिन्न समाजों ने जुटाई राहत सामग्री

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया कोण्डागांव राहत सामग्री से भरे दो वाहन जगदलपुर रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव



बस्तर संभाग में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए कोण्डागांव जिले से मानवीय सहायता का सिलसिला शुरू किया गया है। बाढ़ पीड़ितों की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए जिले के अधिकारी-कर्मचारियों, विभिन्न समाजों और युवाओं ने मिलकर आर्थिक सहयोग एवं राहत सामग्री एकत्रित कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की पहल की।

- जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई गई मदद

सहयोग से एकत्रित राहत सामग्री में गर्म कंबल, मच्छरदानी, साड़ी, बेडशीट सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल रही। राहत सामग्री से भरे दो पिकअप वाहनों को कोण्डागांव से जगदलपुर के लिए रवाना किया गया, जहां से इसे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रें में पहुंचाया गया। राहत अभियान के तहत कोण्डागांव के गोंडवाना भवन में सभी समाजों के लोगों से पहनने योग्य पुराने एवं नए कपड़े भी एकत्रित किए गए। उद्देश्य था कि बाढ़ में अपना सामान गंवा चुके परिवारों को तत्काल उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। एकत्रित राहत सामग्री को लोहंडीगुड़ा के पास ग्राम चंदनपुर लिटिभाटा, ग्राम कुम्हली चोंडी घाट, नारायणपाल और घोटिया सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रें में पहुंचाकर जरूरतमंद परिवारों को वितरित किया गया।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के सामने हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बताए जा रहे हैं। कई परिवारों को अपना घर छोड़कर सड़कों पर रात गुजारने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। कई घर बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कुछ मकानों की दीवारों में नमी और कीचड़ भर जाने से उनके गिरने का खतरा बना हुआ है। बाढ़ के कारण अनेक परिवारों के पासबुक, अंकसूची और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी खराब हो गए हैं। ऐसे में राहत सामग्री के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को अन्य आवश्यक सहायता की भी जरूरत महसूस की जा रही है। राहत कार्य में सर्व आदिवासी समाज अधिकारी-कर्मचारी प्रभाग, बस्तर संभाग के साथ गोटुल कोंडानार के युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवाओं ने राहत सामग्री एकत्रित करने, उसे व्यवस्थित करने और प्रभावित क्षेत्रें तक पहुंचाने में वालंटियर के रूप में सहयोग किया। राहत अभियान में नरसिंह मंडावी, सुरेश नेताम, दशरथ नेताम, जायनाथ नेताम, ओमप्रकाश नाग, बंसी मंडावी, गुंडाधुर, तपेश्वरी नेताम, बिनीता, शिवा नेताम, ओमराज नेताम, शंकर नेताम, सिद्धार्थ महाजन सहित अन्य युवाओं ने सक्रिय रूप से सहयोग किया।

कोण्डागांव से बस्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई गई यह सहायता आपदा की घड़ी में सामाजिक एकजुटता और मानवीय संवेदना की मिसाल बनकर सामने आई है। अभियान से जुड़े लोगों का प्रयास है कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें इस कठिन समय में राहत और सहारा दिया जा सके।

एनएच -30 पर खड़े ट्रक से टकराई बाइक, मामा की मौत, भांजा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव



नेशनल हाईवे-30 पर सारबेडा के पास रविवार रात करीब 10.30 बजे सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे बाइक टकराने से मामा शिवलाल मरकाम की मौत हो गई, जबकि उनका भांजा मनोज सलाम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कांकेर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार शिवलाल मरकाम और मनोज सलाम बाइक क्रमांक सीजी 27 टी 6514 से जगदलपुर गए थे। वापस फरसगांव लौटते समय सारबेडा के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक क्रमांक सीजी 17 केएस 6918 के पीछे जा टकराई। हादसे की सूचना मिलते ही फरसगांव पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने शिवलाल को मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया। फरसगांव पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घर का इकलौता बेटा था शिवलाल

परिजनों के मुताबिक मृतक शिवलाल मरकाम घर का इकलौता पुत्र था। उसकी शादी भी नहीं हुई थी। शिवलाल की मौत से परिवार में मातम पसरा है और उसकी बुजुर्ग मां के सामने भी परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है।

बिना सांकेतिक चिन्ह खड़े ट्रक पर सवाल

हादसे के बाद परिजनों ने सड़क पर खड़े ट्रक को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि ट्रक के पीछे कोई सांकेतिक बोर्ड या चेतावनी चिन्ह नहीं लगाया गया था, जिसके चलते बाइक सवारों को खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं हो सका। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी मस्सुकोकोड़ा में सड़क किनारे बिना सांकेतिक चिन्ह खड़े खराब ट्रक से बोलेरो टकरा गई थी, जिसमें एक युवक की मौत और दो युवक घायल हुए थे। इससे हाईवे पर खराब या खड़े वाहनों के पीछे सुरक्षा संकेतक लगाने की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

चांदागांव, जोंदरापदर में आज और शामपुर में कल लगेगा जनसमस्या निवारण शिविर

कोण्डागांव। सेवा सेतु अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में आज 6 अक्टूबर को जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त कर उनके निराकरण की कार्रवाई मौके पर की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार फरसगांव विकासखण्ड के ग्राम चांदागांव में आज पंचायत भवन में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी दिन कोण्डागांव विकासखण्ड के ग्राम जोंदरापदर स्थित उच्च प्राथमिक शाला में भी सेवा सेतु अभियान के तहत शिविर लगाया जाएगा। दोनों शिविरों का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। वहीं माकड़ी विकासखण्ड के ग्राम शामपुर स्थित हायर सेकंडरी स्कूल सेजेस में 7 अक्टूबर को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। यहां भी नागरिकों की समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन लिए जाएंगे। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

जिला स्तरीय शिविर से पहले सड़क के गड्ढों की खानापूर्ति, ग्रामीणों ने उठाये सवाल



हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

ब्लाक के पाण्डेआठगांव से चांदागांव जाने वाले मार्ग पर बारिश से बने गड्ढे को सप्ताहभर बाद भी ठीक नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। मंगलवार को चांदागांव में जिला स्तरीय शिविर आयोजित होना है। इससे एक दिन पहले सोमवार को पंचायत सचिव द्वारा गड्ढे में मिट्टी-मुरुम डाली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कई दिनों से सड़क खराब होने के बावजूद किसी ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन शिविर को देखते हुए आनन-फानन में मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मुरुम डालने से सड़क की स्थायी समस्या का समाधान नहीं होगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनुसार उन्होंने सड़क की स्थिति को लेकर पीडब्ल्यूडी और पीएमजीएसवाई विभाग को सूचना दी थी, लेकिन दोनों विभागों ने सड़क को अपने अधीन नहीं होने की बात कही। ऐसे में ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि आखिर सड़क की जिम्मेदारी किस विभाग की है। इस मार्ग से एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण ब्लॉक मुख्यालय आना-जाना करते हैं। स्कूली बच्चे भी इसी सड़क का उपयोग करते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क का निर्माण वर्षों पहले हुआ था और लंबे समय से उचित मरम्मत नहीं होने के कारण इसकी हालत खराब हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की स्थायी मरम्मत अथवा नए सिरे से निर्माण कराने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

पेज 11 के शेष

संस्थागत और प्रक्रियागत ....

नहीं है, बल्कि उनके बेहतर संचालन के लिए मजबूत संस्थागत व्यवस्था जरूरी है। मेडिकल शिक्षा, एयरपोर्ट, सुरंग, पुल, आधारभूत संरचना और मेक इन इंडिया जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रक्रियागत बदलावों ने देश में विकास और उत्पादन को नई गति दी है।

निर्वाचन आयोग के ....

पारदर्शी तरीके से कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रशासनिक लापरवाही के कारण वास्तविक मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित किए जाने की स्थिति नहीं बननी चाहिए। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में आयोग के रवैये पर भी सवाल उठाते हुए इसे पक्षपातपूर्ण बताया। प्रदर्शन में प्रदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, विक्रम सिंह डांगी, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, पूर्व महापौर जतिन जायसवाल, नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी, पूर्व सभापति कविता साहू सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

दशहरा की तैयारियों ....

प्रशासन के माध्यम से होता रहा है। राजपरिवार के सदस्य केवल पारंपरिक पूजा-विधान में शामिल होते हैं। इस वर्ष आयोजन के लिए शासन की ओर से 1 करोड़ 25 लाख की राशि निर्धारित की गई है। प्रेस विज्ञप्तियों या सरकारी दस्तावेजों में राजपरिवार के सदस्यों के नाम के साथ 'महाराजा' जैसे संबोधनों के इस्तेमाल पर पाढ़ी ने शासन-प्रशासन को ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजपरिवार के सामाजिक सम्मान और शासकीय आधिकारिक संबोधन को एक रूप में नहीं देखा जा सकता। शासन को इस विषय पर अपनी नीति और दिशा-निर्देश स्पष्ट करने चाहिए। बैठक में कुमार जयदेव, सिंकदर ठाकुर, प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी, योगेश सिंह ठाकुर, कौशल ठाकुर, सुभाशु पाढ़ी, विक्रम ठाकुर, रूप प्रताप ठाकुर, अनिल ठाकुर सहित माड़पाल, तोकापाल, लोहंडीगुड़ा और अन्य क्षेत्रों से आए पुजारी व सिरहा-गुनिया उपस्थित रहे।

बस्तर की बेटी पंक्ति ....

सकारात्मक व्यक्तित्व जैसे विभिन्न मापदंडों पर अपनी प्रतिभा साबित की। इन सभी कसौटियों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। बस्तर जैसे आदिवासी अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने और अब अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने वाली पंक्ति की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा और हौसले के सामने भौगोलिक सीमाएं कोई बाधा नहीं होतीं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों और बस्तरवासियों में खुशी का माहौल है।

बस्तर के टॉपर ....

के मार्गदर्शन में तिमाही परीक्षा में अव्वल रहे 30 मेधावी विद्यार्थियों का चयन शैक्षणिक भ्रमण के लिए किया गया। इनमें कक्षा 10 वीं के 15 और कक्षा 12 वीं के 15 विद्यार्थी शामिल रहे। जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया।

हाईकोर्ट जज संजय कुमार ने किया कोण्डागांव जिला न्यायालय का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव



छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के न्यायमूर्ति एवं कोण्डागांव जिला न्यायालय के पोर्टफोलियो जज संजय कुमार जायसवाल ने 3 अक्टूबर को जिला न्यायालय कोण्डागांव का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन व्यवस्थाओं, निर्माणाधीन अधोसंरचना और सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण से पहले न्यायमूर्ति जायसवाल ने जिला विश्राम भवन में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में न्यायालयीन अधोसंरचना सहित अन्य संबंधित कार्यों को निर्धारित समयावधि में योजनाबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान न्यायालय के मीटिंग हॉल में न्यायमूर्ति ने अधिवक्ताओं से मुलाकात कर संवाद किया। अधिवक्ताओं ने न्यायालयीन कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। न्यायमूर्ति ने अधिवक्ताओं की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके बाद न्यायमूर्ति ने न्यायाधीशों एवं न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए निर्माणाधीन आवास गृहों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

- न्यायालयीन अधोसंरचना और निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समय-सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश

निरीक्षण के क्रम में निर्माणाधीन नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन का भी अवलोकन किया गया। न्यायमूर्ति ने भवन निर्माण की प्रगति, न्यायालयीन कक्षों, विभिन्न सुविधाओं तथा भविष्य में न्यायिक कार्योंर् के लिए विकसित की जा रही अधोसंरचना का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य एवं प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। न्यायालय परिसर के निरीक्षण के दौरान वर्तमान व्यवस्थाओं के साथ भविष्य में विकसित की जा रही न्यायिक अधोसंरचना का भी अवलोकन किया गया। न्यायमूर्ति ने न्यायालयीन व्यवस्थाओं को अधिक सु-दृ एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए।

लाइन कर्मचारी की मौत पर पूर्व विधायक कृष्ण कुमार ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल



केशकाल-विश्रामपुरी मार्ग पर विद्युत लाइन सुधारने के दौरान एक लाइन कर्मचारी के करंट की चपेट में आने से हुई मौत पर पूर्व विधायक कृष्ण कुमार ध्रुव ने दुख जताया है। उन्होंने घटना को दुखद बताते हुए विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली और फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व विधायक कृष्ण कुमार ध्रुव ने कहा कि विद्युत विभाग के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक बिजली की सुविधा पहुंचाने और विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का कार्य करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केशकाल-विश्रामपुरी मार्ग पर लाइन सुधार कार्य के दौरान कर्मचारी के करंट की चपेट में आने और पोल से गिरने के बाद उसकी मौत होना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि फील्ड कर्मचारियों को विद्युत लाइन पर कार्य करने से पहले पुख्ता शटडाउन, आवश्यक सुरक्षा उपकरण और निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कर्मचारियों के पास सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, इंसुलेटेड ग्लव्स सहित अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण होना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभाग से यह भी स्पष्ट करने की मांग की कि घटना के समय सुरक्षा मानकों और शटडाउन की प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं। कृष्ण कुमार ध्रुव ने मांग की कि यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा प्रदान करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी अथवा रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी रखी है, ताकि परिवार के सामने भविष्य में आर्थिक संकट उत्पन्न न हो।

प्रारूप (तीन)
शपथ-पत्र

मैं रामनाथ नेताम, मेरी पुत्री कुमारी मंशा नेताम (Kumari Mansha Netam) निवासी छीन्दनार, पाहुरनार, तहसील बारसूर, जिला दन्तेवाड़ा, छत्तीसगढ़ एतद द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. मैं छत्तीसगढ़ की स्थायी निवासी हूँ।
2. मैं अपने नाबालिक पुत्री का नाम कुमारी मंशा नेताम (Kumari Mansha Netam) से बदल कर मंशा (Mansha) करवाना चाहता हूँ।
3. मैं अपने नाबालिक पुत्री का नाम मंशा (Mansha) बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मै पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।
4. मेरे पत्नि रिबी नेताम को हमारी पुत्री का नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

हस्ताक्षर
रामनाथ नेताम

प्रारूप (तीन)
शपथ-पत्र

मैं जसमीन बाने (Jasmin Bane) जिसे बदला जाना है नाम जास्मीन बानो (Jasmeen Bano), पिता कादर खान, उम्र 18 वर्ष, निवासी म.नं. 14, वार्ड न 08, तहसील गीदम, जिला दन्तेवाड़ा, छत्तीसगढ़ एतद द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करती हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ।

1. मैं छत्तीसगढ़ की स्थायी निवासी हूँ।
2. मेरे पुराना नाम जसमीन बाने (Jasmin Bane) है, और मै अपना नाम बदलकर जास्मीन बानो (Jasmeen Bano), करवाना चाहती हूँ।
3. मेरे पुराने नाम के किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है, और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूँ, तो उसके लिए मै पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगी।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूँ, तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

जसमीन बाने
(Jasmin Bane)



खबर संक्षेप

दिव्यांगजनों को वितरित किए गए श्रवण यंत्र व छड़ी



दंतेवाड़ा। जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा बड़े तुमनार में शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को योजनाओं की जानकारी एवं आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। शिविर के दौरान विधायक चैतराम अटामी के कर-कमलों से दो दिव्यांग हितग्राहियों को एक-एक श्रवण यंत्र एवं छड़ी प्रदान की गई। सहायक उपकरण प्राप्त होने पर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार जताया। शिविर में दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन योजना, यूडीआईडी प्रमाण-पत्र, सहायक उपकरण सहित अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी की गई। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिलाओं को पौष्टिक आहार के प्रति किया प्रेरित



भोंड। महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण तथा मातृ-शिशु देखभाल को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जनजागरूकता की दिशा में सराहनीय पहल की जा रही है। इसी कड़ी में परियोजना अधिकारी सावित्री बघेल के निर्देशन एवं लामकेर सेक्टर की प्रभारी गायत्री साहू के मार्गदर्शन में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने वाली कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और अन्य हितग्राहियों को स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।

सुकमा में क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ईएमआरएस सुकमा में आयोजित क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का 4 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। 3 एवं 4 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के 11 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के

- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभाओं का चयन

लगभग 360 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में अपने हुनर, अनुशासन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, तीरंदाजी, टेबल टेनिस एवं योगा सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ मैदान में उतरकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और टीम भावना, अनुशासन तथा प्रतिस्पर्धात्मक खेल भावना का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न ईएमआरएस विद्यालयों से प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर आगामी राज्य स्तरीय ईएमआरएस खेलकूद प्रतियोगिता के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों एवं टीमों का चयन करना था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ी अब राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में सुकमा क्लस्टर का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में विभिन्न खेल स्पर्धाओं के निर्बाध एवं तकनीकी रूप से सफल संचालन में जिला खेल अधिकारी कमल कोसारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने आयोजन व्यवस्था एवं खेल स्पर्धाओं के संचालन में समन्वय प्रदान किया। चयन समिति ने किया प्रतिभाओं का मूल्यांकन खिलाड़ियों के चयन एवं तकनीकी मूल्यांकन के लिए गठित राज्य स्तरीय चयन-सह-तकनीकी समिति में मुकेश कुमार सैनी, प्राचार्य ईएमआरएस तोकापाल, अक्षित जावला, पीईटी ईएमआरएस हिड़माडुला, आदित्य कुमार, ईएमआरएस अरछा तथा आरती, ईएमआरएस गदिया सहित संबंधित विशेषज्ञ शामिल रहे। समिति के सदस्यों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन करते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया। पूरे आयोजन की अध्यक्षता एवं समूची निगरानी ईएमआरएस सुकमा के प्राचार्य एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार द्वारा की गई। विद्यालय की आयोजन समिति, रेफरी, निर्णायकों, तकनीकी दल एवं सहयोगी कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से प्रतियोगिता का सफल संचालन हुआ।

दो दिनों तक विद्यालय परिसर में खेल गतिविधियों को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा। समापन समारोह के दौरान विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

11 विद्यालयों के 360 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा





बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता होता है : खान

उद्घाटन एवं समापन समारोह में सुकमा जिले के डिप्टी कलेक्टर शाबाब खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का भी विकास होता है।

प्रतिभा को निखारने का अवसर : राजीव

प्रतियोगिता के समापन के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य राजीव कुमार ने मुख्य अतिथि, अधिकारियों, जिला खेल अधिकारी, चयन-सह-तकनीकी समिति के सदस्यों, रेफरी, निर्णायकों, खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने का अवसर मिलता है। क्लस्टर स्तरीय यह आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने का प्रभावी मंच बना।

आपकी मेहनत सच्ची है, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी : दुशीला



हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहण्डीगुड़ा

कलेक्टर आकाश छिकारा एवं जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल के मार्गदर्शन, प्रेरणादायी नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में विकासखंड स्तरीय सुपर गर्ल प्रतियोगिता का उत्साहवर्धक आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास संवर्धन एवं उनकी अंतर्निहित कला-कौशल को एक सशक्त मंच प्रदान करना रहा।

विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को निखारने हेतु विभिन्न विधाओं का आयोजन किया गया, जिनमें एकल गायन, एकल चित्रकला, एकल भाषण, एकल वाद्य यंत्र वादन, कविता पाठ प्रतियोगिता में बच्चों ने अद्भुत उत्साह दिखाया। बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु प्रत्येक संकुल से शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी शालिनी तिवारी द्वारा विशेष रणनीति बनाई गई। उन्होंने विकासखंड स्तर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं की जवाबदेही तय करते हुए दूर-दराज के क्षेत्रों से छात्र-छात्राओं को अत्यंत सुरक्षित तरीके से कार्यक्रम स्थल तक लाने एवं पुनः घर पहुँचाने के सख्त एवं संवेदनशील निर्देश दिए।

कार्यक्रम में बालिकाओं के लिए रोल मॉडल के रूप में स्थानीय विभूतियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। जिसमें दुशीला भारद्वाज उप निरीक्षक पुलिस विभाग लोहण्डीगुड़ा विकासखंड की पूर्व छात्रा, जिन्होंने मेहनत के बल पर पुलिस सेवा में अपना स्थान बनाया। डॉ. रिचा सिंह चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य विभाग लोहण्डीगुड़ा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं।

दुशीला भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा किए और कहा हमें केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर कला, संगीत, खेल व अन्य विधाओं में भी अपने कौशल का निरंतर प्रदर्शन करना चाहिए। प्रतियोगिता में जीत-हार सिक्के के दो पहलू हैं; हमारा एकमात्र ध्येय अपना शत-प्रतिशत प्रयास देना होना चाहिए। यदि आपकी मेहनत सच्ची है, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

महिलाओं को पोषण व स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

सेवा संकल्प योजना के अंतर्गत नगर पंचायत भोपालपटनम के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में आंगनबाड़ी मिलन उत्सव कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

- गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की दी गई जानकारी बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता एवं खेलकूद का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में नगर की महिला जनप्रतिनिधियों, पालकों, गर्भवती महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पंचायत की महिला एवं बाल विकास सभापति तनुजा कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी आर्यन राठौर ने की। यह आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना वासम के केंद्र में किया गया।आंगनवाड़ी मिलन उत्सव के दौरान महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी गई। मेरी पौष्टिक थाली का प्रदर्शन कर महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था के दौरान किस प्रकार का भोजन करना चाहिए, जिससे मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे।



बच्चों की प्रतिभा व स्वास्थ्य को प्रोत्साहित किया गया

कार्यक्रम में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष जोर दिया गया। बच्चों के लिए खेलकूद एवं मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता और स्वस्थ शिशु सम्मान कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा एवं स्वास्थ्य को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में शामिल बच्चों एवं महिलाओं को न्योता भोज भी कराया गया।पोषण वाटिका के महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि तनुजा कुमार ने आंगनवाड़ी परिसर में मुनगा का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर बच्चों को कॉपी, पेन एवं खिलौने वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए तथा आंगनवाड़ी केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं एवं योजनाओं के संबंध में अपने विचार रखे। वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाले लाभ एवं पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ग्राहक परेशान, बैंक में उमड़ रही भीड़

एक माह से बंद पड़ा है एसबीआई का एटीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

बारसूर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा का एटीएम पिछले एक माह से खराब पड़ा है। इससे न केवल हजारों ग्राहकों को परेशानी हो रही है, बल्कि बैंक कर्मचारियों पर भी अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया

- पैसे निकालने करना पड़ रहा लंबी दूरी तय

है। आश्चर्य की बात है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार इस बैंक शाखा से हजारों ग्राहक और दर्जनों ग्राम पंचायतें जुड़ी हुई हैं। एटीएम का मुख्य उद्देश्य बैंक में भीड़ को कम करना और छोटी राशि निकालने वाले आम ग्राहकों को सहूलियत देना होता है, लेकिन

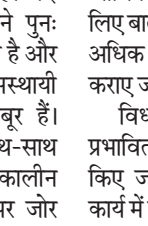


एटीएम बंद होने से इसका लाभ न तो ग्राहकों को मिल पा रहा है और न ही बैंक कर्मियों को राहत मिल रही है। बारसूर में 195 बटालियन सीआरपीएफ तैनात है, साथ ही बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। इन सभी के लिए यह एटीएम अत्यंत महत्वपूर्ण है। एटीएम खराब होने की स्थिति में सीआरपीएफ के जवानों, छात्रों और आम नागरिकों को पैसे निकालने के लिए 20 किलोमीटर दूर गीदम या 30 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा जाना पड़ रहा है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है। प्रतिदिन सैकड़ों किसानों और ग्रामीणों का बैंक में आना-जाना लगा रहता है। जरूरत पड़ने पर जब वे एटीएम पर जाते हैं तो उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। एटीएम बंद होने का सीधा असर बैंक शाखा और चॉइस सेंटर पर पड़ रहा है। सभी ग्राहकों का दबाव बैंक कर्मियों पर आ गया है, जिसके कारण बैंक परिसर दिन भर ग्राहकों की भीड़ से जाम रहता है और लेन-देन में भी देरी हो रही है। स्थानीय नागरिकों और किसानों ने बैंक प्रबंधन और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि बारसूर के एसबीआई एटीएम को जल्द से जल्द सुधारा जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बाढ़ प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा/भोंड

बस्तर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 85 के विकासखंड बस्तर एवं बकावंड के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर विधायक लखेश्वर बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर प्रभावित परिवारों को तत्काल क्षतिपूर्ति राशि एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। विधायक ने बस्तर क्षेत्र के लिए विशेष राहत पैकेज जारी करने का भी आग्रह किया है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में विधायक ने कहा है कि बस्तर क्षेत्र में लगातार हुई भारी वर्षा के बाद आई बाढ़ से ग्रामीण एवं आबादी वाले क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उनके अनुसार, बाढ़ की वजह से अनेक परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हुए हैं। बड़ी संख्या में किसानों की खड़ी फसलें प्रभावित हुई हैं तथा घरों में रखे अनाज, बर्तन, कपड़े और दैनिक उपयोग की सामग्री भी नष्ट हुई है। बच्चों की कापी-किताब, स्कूल ड्रेस और बस्ते तक बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।



- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को विधायक लखेश्वर बघेल ने लिखा पत्र

विधायक ने पत्र में बताया कि उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का स्वयं दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है। कई प्रभावित परिवारों के सामने पुनः जीवन शुरू करने की चुनौती है और कुछ परिवार अब भी अस्थायी ठिकानों में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने राहत कार्यों के साथ-साथ प्रभावित परिवारों के दीर्घकालीन पुनर्वास की आवश्यकता पर जोर दिया है।

विधायक ने रखीं ये प्रमुख मांगें

प्रत्येक प्रभावित परिवार के लिए घोषित क्षतिपूर्ति राशि का अविलंब भुगतान किया जाए। पूरी तरह नष्ट हुए मकानों का तत्काल चिन्हांकन कर आवास निर्माण के लिए सहायता राशि स्वीकृत की जाए तथा प्रथम किश्त तत्काल जारी की जाए। बाढ़ से प्रभावित किसानों की खड़ी फसलों का उचित मूल्यांकन कर प्रति एकड़ सम्मानजनक क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाए। बाढ़ में कापी-किताब, स्कूल ड्रेस और बस्ता गंवा चुके बच्चों को तत्काल आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। प्रभावित परिवारों के नष्ट हुए कपड़े, बर्तन एवं अन्य आवश्यक घरेलू सामग्री के लिए आर्थिक सहायता अथवा सामग्री उपलब्ध कराई जाए। बाढ़ में नष्ट हुए राजस्व रिकॉर्ड एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को पुनः तैयार करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बाढ़ में स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं के मशीन, उपकरण एवं अन्य सामग्री नष्ट होने से उन पर बैंक ऋण का भार बढ़ गया है। ऐसे मामलों का आकलन कर बैंक ऋण में राहत अथवा ऋण माफी पर विचार किया जाए। प्रभावित परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

विधायक बघेल ने पत्र में प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व विभाग द्वारा किए जा रहे नुकसान के सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाने की मांग भी की है।

32 गढ़ महासभा हल्बा-हल्बी समाज ने मनाया नवा खाई जोहार भेंट पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

32 गढ़ महासभा हल्बा हल्बी समाज मुख्यालय बड़ेडोंगर के गढ़ मधोता में नवा खाई जोहार भेंट पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में एकत्रित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की विधिवत पूजा-पाठ से हुई। समाजजनों ने मां दंतेश्वरी से क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात नवा खाई जोहार भेंट की परंपरा निभाई गई। सभी ने एक-दूसरे को पैर छूकर नवा खाई की जोहार भेंट दी और बड़ों का आशीर्वाद लिया। परंपरा अनुसार चिवड़ा और गुड़ बांटकर सभी ने



प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान समाज की एकता, संस्कृति और परंपरा को सहेजने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह पर्व केवल भेंट नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भाईचारे का प्रतीक है।

कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष रतुराम मांझी, सचिव गुड्डु नाग, कोषाध्यक्ष पदम नाग, संरक्षक परशुराम मांझी, रणवीर कोकड़िया, घसुराम मांझी, हरदास शांडिल्य, बजनाथ शांडिल्य सहित महिला अध्यक्ष कमला मांझी और बड़ी संख्या में सगाजन उपस्थित रहे।

साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश



गीदम। सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय गीदम में महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य विजय दुबे ने बच्चों को बताया कि महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में और लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1903 को मुगलसराय उत्तर प्रदेश में हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत में भैया-बहनों ने विद्यालय परिसर एवं आसपास की गली में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। विद्यालय पहुंचने के बाद दोनों महापुरुषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की गई।

गांधी व शास्त्री के जयंती पर स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

भारत सरकार इस्पात मंत्रालय और मुख्यालय एनएमडीसी से प्राप्त निर्देशानुसार एनएमडीसी लिमिटेड की वृहद किरंदुल परियोजना बीआईओएम में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर मनाया गया।

1 अक्टूबर को स्वच्छता सेवा के मौके पर एक दिन-एक घंटा-एक साथ थीम के तहत मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छ अभियान चलाकर प्रशासनिक भवन प्रांगण में सफाई की। 2 अक्टूबर को गांधी और शास्त्री की जयंती प्रशासनिक भवन प्रांगण में मनाई गई। रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक ने दोनों महापुरूषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान परियोजना के अधिकारीगण, यूनियन पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इसी प्रकार स्वच्छता अभियान के तहत 2 अक्टूबर को दंतेश्वरी टॉवर अधिकारियों के आवासीय कॉलोनी



में एक पेड़.मां के नाम पहल के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान नमिता नारायण, अध्यक्षता, प्रेरणा महिला समिति, जेसी दास मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन, एम.सुब्रमण्यन महाप्रबंधक टीआई, एस.नोमेश्वर राव अध्यक्ष, प्रदीप नामदेव सचिव एसकेएमएस यूनियन, धीरेन भूषण महाप्रबंधक खनन, बी.साम्या, महाप्रबंधक सामग्री, मधुसूदन, महाप्रबंधक संविदा, एस.गुहा उप महाप्रबंधक वित्त सहित अन्य वरि. अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं भारी संख्या में उपस्थित होकर पौधरोपण किया।

विद्यार्थियों को अब जरूरी दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक दस्तावेजों से जुड़े कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें अपने जरूरी दस्तावेज समय पर मिल सकें, इसे लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने पहल की है। मंत्री के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयबद्ध किए जाने की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थियों को अपने जरूरी शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की समस्या से राहत मिलेगी। नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। दस्तावेज के अनुसार इन सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा भी तय की गई है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित है। वहीं उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाओं के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के बाद 60 दिवस की समय-सीमा रखी गई है।



मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही दस्तावेजों के लिए परेशान होना पड़े, यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना जरूरी है। ऐसे में विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री यादव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी पढ़ाई और अपने भविष्य पर ध्यान दें, उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में अपना समय और ऊर्जा खर्च न करनी पड़े।

5 बच्चों का अन्नप्राशन व 18 गर्भवती माताओं की गोद भराई, पोषण जागरूकता को दिया बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना किरंदुल एवं नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चैतराम अटामी, किरंदुल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र के 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। वहीं 18 गर्भवती माताओं की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में व्यंजन प्रदर्शनी भी



लगाई गई, जिसमें स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों से तैयार विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। विभागीय अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उपस्थित महिलाओं को संतुलित आहार, गर्भावस्था के दौरान आवश्यक पोषण, बच्चों के पूरक आहार तथा नियमित स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में जानकारी दी।

न्यायालय तहसीलदार तोकापाल
जिला बस्तर छ.ग.

रा.प्र.क्र./क/तह./2025-26
तोकापाल दिनांक 22/09/2026

– उद्घोषणा –

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री चंदन कुम्बार पिता राम कुम्बार जाति कुम्बार निवासी ग्राम बोरगांव, उडीसा तहसील तोकापाल जिला बस्तर छ.ग. के द्वारा न्यायालय में मृत्यु पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसमें आवेदक अपने भाई सोनाधर कुम्बार पिता राम कुम्बार की मृत्यु तिथि 26/7/2025 दर्शाया गया है। ग्राम पंचायत डिमरापाल के अंतर्गत है यह उद्घोषणा ग्राम पंचायत के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य मे मृत्यु तिथि के संबंध में किसी व्यक्ति/ ग्रामवासी/पंचायत को किसी भी तरह कोई आपत्ति है तो वह न्यायालय कि पेशी तिथि 06/10/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा/ आपत्ति दर्ज करा सकते है। पेशी पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 22/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 06/10/2026

मुहर

तहसीलदार
तोकापाल

खबर संक्षेप

बाढ़ आपदा प्रबंधन में असफल रही ट्रिपल इंजन सरकार



जगदलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रशासनिक महामंत्री अनवर खान ने बाढ़ की विपदा में मदद करने वाले समाजसेवियों, संघों, व्यापारियों, जनसेवकों और मीडिया का आभार जताया है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा की सरकार को आपदा प्रबंधन में पूरी तरह असफल बताया है। खान ने कहा कि बाढ़ प्राकृतिक आपदा है, लेकिन शासन-प्रशासन की तैयारियां सिर्फ कागजों तक सीमित रहीं। तूफान अर्नब और ओडिशा से इंद्रावती नदी में छोड़े गए पानी के कारण आई बाढ़ ने सरकारी दावों की पोल खोल दी है। आपदा प्रबंधन के लिए साजो-सामान और पीड़ितों के लिए पर्याप्त संसाधन न होना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि प्रभावित परिवारों का ऋण माफ कर उन्हें तत्काल आवास योजना का लाभ दिया जाए। साथ ही खेती-किसानी की सुविधाएं बहाल की जाएं ताकि उनका जीविकोपार्जन हो सके। नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे कराकर जल्द मुआवजा बांटा जाए और सरकार बस्तर संभाग के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करे।

डिलमिली में बांटे गए आवास और बैंक लोन के चेक



जगदलपुर। जनपद पंचायत दरभा के डिलमिली में जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए 'सेवा सेतु शिविर' आयोजित किया गया। इस मौके पर बस्तर राज परिवार के सदस्य कमल चंद्र भंजदेव और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र व नवनिर्मित आवासों की चाबियां सौंपी गईं। स्वरोजगार के लिए बैंक लोन के चेक वितरित किए गए। स्कूली बच्चों को जाति प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री बांटी गई। शिविर स्थल पर श्रम कार्ड, आधार और राशन कार्ड से जुड़े पंजीकरण व सुधार कार्य तेजी से निपटाए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों का परीक्षण कर दवाइयां दीं। महिला एवं बाल विकास विभाग के उत्कृष्ट मैदानी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर के दौरान राज परिवार के सदस्य कमल चंद्र भंजदेव बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों की समस्याएं सुनीं, हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया और जरूरी राहत सामग्री वितरित कर ढांढस बंधाया।

स्कूली बच्चों को सिखाया गया एआई का सुरक्षित उपयोग

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन की अभिनव पहल के तहत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अध्ययन में एआई का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सिखाना था। यह प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय और जगतु माहरा शासकीय बहुउद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने अपने ही स्मार्टफोन का उपयोग करते हुए सीधे एआई टूल्स पर व्यावहारिक अभ्यास किया। सत्र का संचालन पब्लिक पॉलिसी इन एक्शन फेलो माधव जोशी और आशीष कुमार पांडे द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को जटिल शैक्षणिक अवधारणाओं को समझने, अध्ययन सामग्री को व्यवस्थित करने और शोध कार्यों में आधुनिक तकनीक का लाभ उठाने के व्यावहारिक तरीके सिखाए।

भाटागुड़ा व आमाखूनी में चावल, सब्जियां, तेल, साबुन, शॉल व कपड़े लेकर पहुंचे संस्था के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

एनएचआरसीसीबी ने बाढ़ के बाद संभाला 60 परिवारों का हाथ

इंद्रावती की बाढ़ का पानी उतर चुका है, लेकिन भाटागुड़ा और आमाखूनी के प्रभावित परिवारों की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। घरों में जमा कीचड़, अस्त-व्यस्त सामान और बर्बाद हुई रोजमर्रा की चीजें अब भी बाढ़ की भयावहता की कहानी कह रही हैं। जिन परिवारों ने कुछ दिन पहले बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित रखने की चिंता में रातें गुजारीं, अब उनके सामने घर और जिंदगी को दोबारा पटरी पर लाने की चुनौती है। भारी बारिश और डीप डिप्रेशन के कारण इंद्रावती नदी उफान पर आई थी। बाढ़ की चपेट में आए परिवारों में भाटागुड़ा के 25 और आमाखूनी के 35 परिवार शामिल होने की जानकारी संस्था ने दी है। कुल 60 परिवारों तक राहत पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार व अपराध नियंत्रण ब्यूरो (एनएचआरसीसीबी) की बस्तर संभाग एवं जिला इकाई के सदस्य गांव पहुंचे। बाढ़ के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ी। घरों में पानी घुसने से बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हुईं, वहीं बुजुर्गों के लिए सुरक्षित स्थान पर रहना और जरूरी सामान जुटाना कठिन हो गया। पानी उतरने के बाद भी परिवारों को घरों की सफाई और जरूरी वस्तुओं की व्यवस्था करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी परिस्थिति में एनएचआरसीसीबी की टीम ने प्रभावित परिवारों के बीच चावल, सब्जियां, नारियल तेल, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, शॉल और अच्छी स्थिति में उपलब्ध उपयोगी पुराने कपड़े वितरित किए। राहत सामग्री ने प्रभावित परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों को कुछ हद तक आसान किया। इस सेवा कार्य में एनएचआरसीसीबी बस्तर संभागीय टीम के जगमोहन सोनी, प्रेमदास मानिकपुरी, योगेंद्र कश्यप, नवीन एक्का और रविराज पटनायक ने सक्रिय सहयोग किया। वहीं जिला टीम की मीनू सिंह, विद्या सिंह, किरण नथानी और तेजस्विता घोष ने भी राहत वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरे राहत एवं सेवा कार्य में श्री अक्षय देशमुख का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों ने मिलकर प्रभावित परिवारों तक सामग्री पहुंचाई।

संस्था का प्रयास

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि आपदा के बाद पानी उतर जाना राहत की शुरूआत है, अंत नहीं। प्रभावित परिवारों को सामान्य जीवन में लौटने के लिए समय और सहयोग दोनों की जरूरत होती है। उनका कहना है कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और संस्था का प्रयास है कि संकट के बाद भी प्रभावित परिवारों को यह महसूस हो कि समाज उनके साथ खड़ा है।



किसी बड़े सहारे से कम नहीं

भाटागुड़ा और आमाखूनी के परिवारों के लिए राहत सामग्री भले ही छोटी मदद हो, लेकिन बाढ़ के बाद की परिस्थितियों में जरूरत का सामान किसी बड़े सहारे से कम नहीं। घरों में लौटती जिंदगी और बच्चों के चेहरों पर वापस आती सामान्य मुस्कान के बीच इस मदद ने प्रभावित परिवारों को फिर से संभलने का हौसला दिया।

सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा में बैक वॉटर से डूब का खतरा

पोलावरम और आदिवासी वन अधिकार के मुद्दे पर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोन्टा





- ठोस पुनर्वास नीति तक बांध निर्माण रोकने की मांग

राष्ट्रीय कांग्रेस, जिला कांग्रेस कमेटी सुकमा एवं आदिवासी कांग्रेस के नेतृत्व में सोमवार को बस स्टैंड परिसर में पोलावरम मुद्दे और आदिवासी समाज के वन अधिकार सहित अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर बड़ा धरना-प्रदर्शन किया गया। इस विशाल जनआंदोलन में हजारों की संख्या में ग्रामीणों और आदिवासी समाज के लोगों का जनसैलाब उमड़ा। जल, जंगल, जमीन और आदिवासी अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर लोगों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की।

प्रदर्शनकारियों ने आंध्रप्रदेश में निर्माणाधीन पोलावरम परियोजना के बैक वॉटर से छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले के आदिवासी क्षेत्रों के संभावित रूप से प्रभावित होने की आशंका जताई। वक्ताओं ने कहा कि डूब क्षेत्र में कृषि भूमि, घर, वनभूमि और आदिवासी समाज से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत प्रभावित हो सकती है। कांग्रेस ने मांग की है कि संभावित डूब क्षेत्र का पुनः सर्वे कराया जाए। जब तक प्रभावित आदिवासी परिवारों के पुनर्वास एवं मुआवजे की ठोस नीति नहीं बनती, तब तक पोलावरम बांध का निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए और केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर छत्तीसगढ़ के आदिवासी हितों की रक्षा करे। इसके अलावा नवीन वन अधिकार पट्टा प्रदाय करने और जेल में बंद निर्दोष आदिवासियों की रिहाई की मांग भी उठाई गई।

स्थानीय भर्ती और स्मार्ट मीटर हटाने पर जोर

ज्ञापन में बेरोजगारों को स्थानीय भर्ती में प्राथमिकता देने, बेरोजगारी भत्ता देने, स्मार्ट मीटर हटाने और हर गांव में सुचारू बिजली व्यवस्था पहुंचाने की मांग शामिल है। इन सात सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम कोंटा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस ने आदिवासियों के हितैषी होने के नाते इस मांग पर गंभीरता से विचार कर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री तक बात पहुंचाने के लिए प्रदेश के राज्यपाल पर विश्वास प्रकट किया है।

ये रहे उपस्थित

हजारों लोगों की मौजूदगी से कोंटा का यह प्रदर्शन बड़े जनआंदोलन में तब्दील हो गया। इस दौरान बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष जनक ध्रुव, राष्ट्रीय महिला कांग्रेस सचिव तुलिका कर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी सुकमा अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा, जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगमा, जिला आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष वेको हुंगा, कोंटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सैयद उस्मान नूर अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ग्रामीण और आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनकी सामूहिक आवाज आगे भी बुलंद होती रहेगी।

ब्रह्माकुमारीज संस्था ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- चित्रकोट, बहारगुड़ा और चंदनपुर सहित कई गांवों में पहुंचाया भोजन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सदस्यों द्वारा ग्राम चित्रकोट, बहारगुड़ा, चोंडीगुड़ा, चंदनपुर, बड़ांजी, कुम्हली, टाकरागुड़ा, भैंसगांव और बड़े चकवा में पहुंचकर बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान ब्रह्माकुमारी मंजूषा ने बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना तथा उन्हें आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई।

बाढ़ के कारण कई क्षेत्रों में पहुंचना मुश्किल हो रहा था, ऐसे समय में भी ग्रामीण क्षेत्र के संस्था से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन बनाकर उन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई और राहत सामग्री बांटी। संस्था के सदस्यों की निस्वार्थ सेवा को देखकर ग्रामवासी भावुक हो गए।

इस अवसर पर रणसिंह नाग, लक्ष्मण, लोकेश्वर, झिटका, झितरू, मणि, निषाद, हरि, त्रिलोचन, बंगालू, तुलाराम, छतरसिंह, रूपधर सहित अन्य मौजूद रहे।

मानवता की सच्ची सेवा

मंजूषा ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना मानवता की सच्ची सेवा है। विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंदों की सहायता करने से उनमें आशा और आत्मविश्वास का संचार होता है। संस्था सदैव समाज में सकारात्मक सोच, सहयोग और मानव सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहती है। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामवासियों का मनोबल मजबूत किया। इस मौके पर लोहण्डीगुड़ा के तहसीलदार कैलाश पोयाम भी साथ रहे। सभी गांवों के सरपंच व सचिवों ने भी संस्था की सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में कोड़ेनार एकलव्य विद्यालय का दबदबा, जीते सर्वाधिक 29 पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



- 13 स्वर्ण, 13 रजत और 3 कांस्य पदक पर जमाया कब्जा, कई खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोड़ेनार के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 29 पदक अपने नाम किए हैं। विद्यालय के खिलाड़ियों ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट खेल भावना और कौशल का परिचय दिया।

कोड़ेनार के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल 29 पदक हासिल किए, जिनमें 13 स्वर्ण, 13 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं। व्यक्तिगत पदकों के अलावा कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का दलगत खेलों में अगले चरण एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयन भी हुआ है। खिलाड़ियों को तराशने में फिजिकल एजुकेशन की अध्यापिका शीतल एवं अध्यापक निखिल माथुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ सुबह और शाम मैदान में नियमित अभ्यास, शारीरिक फिटनेस और विभिन्न खेलों की तकनीकी बारीकियों की गहन तैयारी कराई।

राष्ट्रीय मंच पर छाप छोड़ना मुख्य लक्ष्य

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में विद्यालय के प्राचार्य जी. शिवा रेड्डी का कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी सोच निर्णायक साबित हुई। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, फिटनेस और सहनशक्ति को प्राथमिकता देते हुए प्राचार्य द्वारा खिलाड़ियों को उच्चतम गुणवत्ता वाला पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य बस्तर क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को केवल राज्य स्तर तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं और विभिन्न राष्ट्रीय टीमों में चयन के लिए पूरी तरह तैयार करना है। उनका उद्देश्य है कि बस्तर के प्रतिभावान बच्चे राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ें और देश तथा अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। प्राचार्य का दूरदर्शी नेतृत्व, उच्च गुणवत्ता वाला पौष्टिक आहार, विद्यार्थियों का समर्पण और खेल विभाग का निरंतर परिश्रम ही कोड़ेनार की इस स्वर्णिम सफलता की मजबूत नींव बना है।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ ने बाढ़ प्रभावित 58 विद्यार्थियों को बांटी शिक्षण सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



- प्रवीण वार्ड की कोहकापाल बस्ती में बच्चों को मिले बैग और नोटबुक, बचे हुए वार्डों में सर्वे जारी

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ बस्तर द्वारा बाढ़ से प्रभावित विद्यार्थियों की पढ़ाई को पटरी पर लाने के उद्देश्य से शिक्षण सामग्री वितरण अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आर्थिक प्रकोष्ठ की टीम ने प्रवीण वार्ड स्थित कोहकापाल बस्ती के जगतु महारा में पहुंचकर 58 बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों को स्कूल बैग, नोटबुक, रजिस्टर, कंपास, पेन-पेंसिल सहित अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण किया। इस दौरान बच्चों को बिस्किट भी बांटे गए।

खराब हो गई थी शिक्षण सामग्री

हाल ही में बस्तर में आई बाढ़ से जिले के कई ग्रामों के साथ जगदलपुर शहर की निचली बस्तियां और अनेक वार्ड भी प्रभावित हुए थे। बाढ़ के पानी में कई विद्यार्थियों की किताबें, कॉपियां, स्कूल बैग और अन्य शिक्षण सामग्री बह गई अथवा पानी में खराब हो गई। आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा ऐसे प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हांकित कर विद्यार्थियों की सूची तैयार की जा रही है और आवश्यकता के अनुसार उन्हें शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे पूर्व आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा डोंगा घाट बस्ती में भी पहुंचकर 60 से अधिक बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई थी।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री परिषद बेसरा, जिला कार्यालय मंत्री एवं एल्डरमैन रोहित त्रिवेदी, शहर पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजू कुमार बोथरा, कार्यसमिति सदस्य शिरीष मिश्रा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेश सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष विनय सोना, स्वच्छता प्रकोष्ठ जिला संयोजक राजा यादव, जिनेन्द्र टाटिया, महावीर बाफना, धनिता ठाकुर, किरण चौरसिया सहित ग्रामीण एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नेताओं ने की पहल की सराहना

भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने कहा कि आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों के बीच शिक्षण सामग्री पहुंचाने का कार्य सराहनीय पहल है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी सेवा करना ही अंत्योदय की मूल भावना है। आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक मनीष पारख ने कहा कि बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित वार्डों में जमीनी स्तर पर मूल्यांकन कर उन बच्चों की पहचान की जा रही है, जिनकी पाठ्य सामग्री क्षतिग्रस्त हो गई या बह गई है। वर्तमान में कुछ अन्य वार्डों में भी सर्वे का कार्य जारी है। जिला संयोजक अविनाश जैन ने कहा कि बाढ़ में जिन बच्चों की शिक्षण सामग्री नष्ट हुई है, उन्हें दोबारा स्कूल सामग्री उपलब्ध कराना आत्मसंतोष देने वाला कार्य है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला सह-संयोजक परमेश राजा ने किया।

साइबर जागृति अभियान और 'प्रोजेक्ट रीकनेक्ट' के तहत धारकों को मिले 25 लाख के मोबाइल

बस्तर पुलिस ने 151 गुम मोबाइल लौटाए, 2.29 लाख लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



बस्तर पुलिस द्वारा 15 अगस्त से चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के समापन पर 'प्रोजेक्ट रीकनेक्ट' के तहत 25 लाख रुपये कीमत के 151 गुम मोबाइल वास्तविक धारकों को लौटाए गए। 2 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान बस्तर पुलिस जिले के 2.29 लाख लोगों तक पहुंची और साइबर अपराध की जानकारी देकर जागरूक किया।

गुम मोबाइल की उम्मीद छोड़ चुके लोगों को फोन वापस मिलने पर उनके चेहरों पर खुशी देखने को मिली। एसपी शलभ कुमार सिन्हा और सीएसपी सुमित कुमार धोत्रे द्वारा इन मोबाइलों को वितरित किया गया। यह पहल नागरिकों और पुलिस के बीच विश्वास मजबूत करने की दिशा में सार्थक प्रयास रहा। इसके लिए साइबर विभाग ने तकनीकी संसाधनों से गुम फोनों की बरामदगी की थी।

नागरिकों ने लिया सुरक्षा संकल्प

समापन पर मौजूद नागरिकों एवं मोबाइल प्राप्तकर्ताओं को साइबर सुरक्षा संकल्प दिलाया गया। नागरिकों ने ओटीपी, सीवीवी, यूपीआई पिन जैसी गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करने, अनजान लिंक से सावधान रहने तथा परिवार और आसपास के लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

सतर्कता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा

सिन्हा ने कहा कि टीमों ने स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और ग्राम चौपालों तक पहुंचकर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए। बस्तर पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि अभियान का समापन केवल एक प्रक्रिया है, साइबर जागरूकता का नहीं। साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए सतर्कता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा है। डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से सतर्क रहने और साइबर अपराध होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

